

अनुक्रमांक

नाम

102

302(ZH)

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड क)

1. क) 'आचरण की सभ्यता' निबन्ध के लेखक हैं [1]

i) रामचन्द्र शुक्ल

ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

iii) अध्यापक पूर्ण सिंह

iv) सम्पूर्णानन्द ।

ख) 'हिन्दी नयी चाल में ढली' यह कथन किस लेखक का है ? [1]

i) बालकृष्ण भट्ट

ii) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'

iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी ।

ग) 'उसने कहा था' कहानी के लेखक हैं [1]

- i) जयशंकर प्रसाद
- ii) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
- iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी ।

घ) 'चिंतामणि' निबन्ध संग्रह के लेखक हैं [1]

- i) महावीर प्रसाद द्विवेदी
- ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
- iv) रामचन्द्र शुक्ल ।

ङ) 'कलम का सिपाही' के रचनाकार हैं [1]

- i) प्रेमचन्द
- ii) अमृतराय
- iii) यशपाल
- iv) जैनेन्द्र ।

2. क) 'प्रिय प्रवास' के रचयिता हैं [1]

- i) मैथिली शरण गुप्त
- ii) सियाराम शरण गुप्त
- iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- iv) जयशंकर प्रसाद ।

ख) निम्नलिखित में से 'छायावाद' के कवि हैं [1]

- i) परमानंद दास
- ii) सूरदास
- iii) चतुर्भुज दास
- iv) मुकुटधर पाण्डेय ।

ग) निम्नलिखित में से कौन-सा कवि छायावाद युग का नहीं है ? [1]

- i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- ii) जयशंकर प्रसाद
- iii) महादेवी वर्मा
- iv) 'अज्ञेय' ।

घ) 'रश्मिरथी' किस कोटि की रचना है ? [1]

- i) महाकाव्य
- ii) खण्डकाव्य
- iii) मुक्तक
- iv) गद्यकाव्य ।

ङ) 'बादल को घिरते देखा है' रचना है [1]

- i) मुक्तिबोध की
- ii) नागार्जुन की
- iii) त्रिलोचन की
- iv) अज्ञेय की ।

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x2=10]

पृथिवी के विशाल प्रांगण में सब जातियों के लिए समान क्षेत्र है । समन्वय के मार्ग से भरपूर प्रगति और उन्नति करने का सबको एक जैसा अधिकार है । किसी जन को पीछे छोड़कर राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता । अतएव राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें लेनी होगी । राष्ट्र के शरीर के एक भाग में यदि अंधकार और निर्बलता का निवास है तो समग्र राष्ट्र का स्वास्थ्य उतने अंश में असमर्थ रहेगा ।

- i) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें क्यों लेनी चाहिए ?
- iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- iv) राष्ट्र किसे पीछे छोड़कर आगे नहीं बढ़ सकता है ?
- v) समन्वय के मार्ग से क्या प्राप्त हो सकता है ?

अथवा

कहते हैं दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है । केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है । बाकी को फेंककर आगे बढ़ जाती है । शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा । क्यों उसे वह याद रखती ? सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है

- i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- iii) अशोक को विस्मृत करने का आधार किसे माना गया है ?
- iv) लेखक ने दुनिया का किस तरह का व्यवहार बताया है ?
- v) स्वार्थ का अखाड़ा किसे कहा गया है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x2=10]

जलधि के फूटे कितने उत्स

द्वीप, कच्छप डूबें - उतराय;

किन्तु वह खड़ी रहे दृढ़ मूर्ति

अभ्युदय का कर रही उपाय ।

शक्ति के विद्युत्कण, जो व्यस्त

विकल बिखरे हैं, हो निरुपाय;

समन्वय उसका करे समस्त

विजयिनी मानवता हो जाय ।

i) उपर्युक्त पद्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए ।

ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) दृढ़ मूर्ति से आशय किसकी मूर्ति से है?

iv) 'उत्स' और 'अभ्युदय' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

v) द्वीप - कच्छप में कौन-सा अलंकार है ?

अथवा

तुम मांसहीन, तुम रक्तहीन

हे अस्थिशेष, हे अस्थिहीन,

तुम शुद्ध बुद्ध आत्मा केवल,

हे चिरपुराण ! हे चिर नवीन ।

तुम पूर्ण इकाई जीवन की,

जिसमें असार भव - शून्य लीन,

आधार अमर, होगी जिस पर

भावी की संस्कृति समासीन ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) कौन हड्डियों का ढाँचा मात्र प्रतीत होते हैं?

iv) गाँधीजी को कवि के चिरपुराण तथा चिर नवीन क्यों कहा है?

v) गाँधीजी के आदर्शों पर भविष्य में किसे खड़ा होना पड़ेगा ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

- i) वासुदेवशरण अग्रवाल
- ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी
- iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

- i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- ii) जयशंकर प्रसाद
- iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

6. 'पंचलाइट' अथवा 'ध्रुवतारा' कहानी का सारांश लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

अथवा

'बहादुर' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

- i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

- ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' के आधार पर धृतराष्ट्र का चरित्र चित्रण कीजिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' के नायक कर्ण का चरित्र चित्रण कीजिए ।

iv) "'आलोक- वृत्त' खण्डकाव्य में सत्य-अहिंसा का सुन्दर समन्वय है ।" इस कथन की व्याख्या कीजिए । <https://www.upboardonline.com>

अथवा

'आलोक - वृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है? उसकी चारित्रिक विशेषताएँ बताइये ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्र चित्रण कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य में दशरथ का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर विचार कीजिए ।

(खण्ड ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

अथैकः शकुनिः सर्वेषाम् मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काकः उत्थाय 'तिष्ठ तावत्, अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेककाले एवं रूपं मुखं, क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र तत्रैव धक्ष्यामः । ईदृशो राजा महयं न रोचते ।'

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन् । परमद्य
इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्पर मैत्री सहयोगकारणानि विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च
साधनानि सन्ति । राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले
चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धानधिकृत्य एवाभवत् ।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

[2+5=7]

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।
वर्जयेतादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ॥

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि ।
लोकोत्तराणां चेतांसि को न विज्ञातुमर्हति ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

[1+1=2]

- (i) जले पर नमक छिड़कना
- (ii) आँख का तारा होना
- (iii) अपना उल्लू सीधा करना
- (iv) हवा से बातें करना ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'निस्सन्देह' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

(अ) निः + सन्देह

(ब) निस् + सन्देह

- (स) निसं + देह
(द) निस्सन्दे + ह ।

(ii) 'इत्यादि' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

- (अ) इत + आदि
(ब) इति + आदि
(स) इतम् + आदि
(द) इत्याः + दि ।

(iii) 'स्वागतम्' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

- (अ) सु + आगतम्
(ब) स्वा + गतम्
(स) सु + अगतम्
(द) सः + आगत ।

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध 'विभक्ति' और 'वचन' बताइये :

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन [1]

- (अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
(ब) तृतीया विभक्ति, बहुवचन
(स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन
(द) पंचमी विभक्ति एकवचन ।

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन हैं [1]

- (अ) चतुर्थी विभक्ति एकवचन
(ब) तृतीय विभक्ति, बहुवचन

- (स) पंचमी विभक्ति एकवचन
(द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन ।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए -

(i) अविराम - अभिराम [1]

- (अ) लगातार और रुचिकर
(ब) बिना रोक के और सुन्दर
(स) अनवरत और आकर्षक
(द) सुन्दर और आकर्षक ।

(ii) विहग - विहंग- [1]

- (अ) पक्षी और बालक
(ब) पक्षी और तोता
(स) पक्षी और आकाश
(द) आकाश और पक्षी ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : [1+1=2]

- (i) शिखा
(ii) पूत
(iii) पक्ष
(iv) काण्ड ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए: [1+1=2]

- (i) रास्ता दिखाने वाला -
(अ) दूरदर्शी

- (ब) समदर्शक
- (स) मार्गदर्शक
- (द) प्रियदर्शी ।

(ii) जिसका कोई अन्त न हो -

- (अ) असीम
- (ब) अनन्त
- (स) परम
- (द) विस्तृत ।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

- (i) श्याम और मोहन बात कर रहा है ।
- (ii) प्रधानाचार्य जी ने हस्ताक्षर कर दिया ।
- (iii) मैं गृहकार्य कर लिया हूँ ।
- (iv) चन्द्रमा आकाश में निकलता था ।

12. (क) 'श्रृंगार' रस अथवा 'वात्सल्य' रस का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए । <https://www.upboardonline.com> [1+1=2]

(ख) 'यमक' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए ।

[1+1=2]

13. शिक्षा ऋण प्राप्त करने के लिए बैंक प्रबंधक को आवेदन पत्र लिखिए । [2+4]

अथवा

नगर में अतिक्रमण की समस्या के निवारण हेतु महापौर को पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:

[2+7]

- (i) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता
- (ii) महामारियों के सम्बन्ध में जागरूकता के उपाय
- (iii) मेरे प्रिय उपन्यासकार
- (iv) भारतीय कृषकों की समस्या एवं समाधान
- (v) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व ।

अनुक्रमांक

नाम

102

302(ZJ)

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

- निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो खण्डों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।
ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खंड-क)

1. क) 'भाषा योगवाशिष्ठ' के लेखक हैं [1]

i) मुंशी सदासुख लाल

ii) लल्लू लाल

iii) रामप्रसाद निरंजनी

iv) स्वामी दयानन्द सरस्वती

ख) सद्गल मिश्र की रचना है [1]

i) सत्यामृत प्रवाह

ii) नासिकेतोपाख्यान

iii) भारत सौभाग्य

iv) भूतनाथ

ग) 'चन्द्रकान्ता सन्तति' कृति की विधि है [1]

i) निबन्ध

ii) नाटक

iii) कहानी

iv) उपन्यास

घ) बालकृष्ण भट्ट सम्पादक थे [1]

i) इन्दुमती के

ii) परीक्षा गुरु के

iii) हिन्दी प्रदीप के

iv) साहित्य सहचर के ।

ङ) वासुदेवशरण अग्रवाल की रचना है [1]

i) बाणभट्ट की आत्मकथा

ii) वाग्धारा

iii) साहित्य और समाज

iv) शेखर: एक जीवनी ।

2. क) 'कितनी नावों में कितनी बार' काव्यकृति है [1]

i) गिरिजाकुमार माथुर की

ii) नागार्जुन की

iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' की

iv) हरिवंशराय बच्चन को

ख) छायावाद की प्रमुख विशेषता है [1]

- i) प्रकृति का उद्दीपन-रूप में वर्णन
- ii) सौन्दर्य एवं प्रेम
- iii) इतिवृत्तात्मकता
- (iv) श्रृंगारिक भावना का पूर्णतः अभाव

ग) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन- वर्ष है [1]

- i) 1943 ई०
- ii) 1950 ई०
- iii) 1951 ई०
- iv) 1956 ई० ।

घ) हिन्दी का प्रथम महाकाव्य माना जाता है। [1]

- i) पद्मावत
- ii) रामचरितमानस
- (iii) साकेत
- iv) पृथ्वीराज रासो ।

ङ) मैथिलीशरण गुप्त की काव्यकृति है। [1]

- i) प्रेमाम्बुप्रवाह
- ii) त्रिपथगा
- iii) लहर
- iv) ग्राम्या ।

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अङ्ग है। पृथिवी हो और मनुष्य न हो तो राष्ट्र की कल्पना असम्भव है। पृथिवी और जन दोनों के समन्वय से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि को संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथिवी के पुत्र हैं।

- i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिये ।
- ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- iii) राष्ट्र की कल्पना कब असम्भव है?
- iv) पृथिवी और जन दोनों मिलकर क्या बनाते हैं?
- v) पृथिवी कब मातृभूमि को संज्ञा प्राप्त करती है?

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो , जितना भी रहस्यमय हो , जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है। यह उस विशाल सामना सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक , जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली तथी, उसके रक्त संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों करोड़ों की अपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उधड़ गए और दिनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई ।

- i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- iii) सामन्त सभ्यता को परिष्कृत रुचि का प्रतीक फौन है ?
- iv) लाखों-करोड़ों की अपेक्षा से कौन समृद्ध हुई थी ?
- v) आज उस सामना सभ्यता की क्या स्थिति है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x2=10]

निज जन्म-जन्म से सुने जीव यह मेरा-

धिक्कार ! उसे था महास्वार्थ ने घेरा-

सौ बार धन्य यह एक लाल की माई,
निज जननी ने है जना भरत-सा भाई
पागल सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई,
सौ बार धन्य वह एक लाल की माई ॥

- i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- ii) रेखाङ्कित अंश को व्याख्या कीजिए ।
- iii) कैकेयी स्वयं को धिक्कारती हुई क्या कहती है ?
- iv) कैकेयी के प्रायश्चित्त के उपरान्त श्रीराम उनसे क्या कहते हैं ?
- v) प्रभु राम के साथ कैकेयी के अपराध का अपमार्जन करती हुई सभा क्या चिल्ला उठी?

अथवा

आज की दुनिया विचित्र नवीन,
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन ।
हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप ।
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान,
लाँघ सकता नर सरित, गिरि, सिन्धु एक समान ।

- i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए
- iii) आज के मनुष्य ने किस पर विजय प्राप्त कर ली है ?
- iv) किसके हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता-उतरता है ?
- v) "है नहीं बाकी कहीं व्यवधान" से क्या आशय है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

- i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

ii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

i) जयशंकर प्रसाद

ii) महादेवी वर्मा

iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

6. 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

अथवा

'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए:
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [5]

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्राङ्कन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

(iv) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

"आलोक-वृत्त" खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

vi) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7] <https://www.upboardonline.com>

आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाया प्रिया भवति। न वा अरे। पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्व प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्व प्रियं भवति।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि, विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च

साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तमधिकृत्य एवाभवत् ।

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए:
[2+5=7]

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती ।

तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम् ॥

अथवा

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम् ।

वृगुते हि विमृश्यकारिणं गुगलुब्धाः हि स्वयमेव सम्पदः ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए- [1+1=2]

- (i) अंगूठा दिखाना
- (ii) पहाड़ टूट पड़ना
- (iii) धूल में मिलाना
- (iv) पानी-पानी होना।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'हिमालयः' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

- (अ) हिमा + लयः
- (ब) हि + मालयः
- (स) हिम + आलयः
- (द) हिम् + अलयः ।

(ii) 'कठोपनिषद्' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

- (अ) कठ् + उपनिषद्
- (ब) कठ + उपनिषद्
- (स) कठ + ओपनिषद्
- (द) कठोप + निषद् ।

(iii) 'अन्वेषणम्' का सही सन्धि-विच्छेद है [1]

- (अ) अनु + एषणम्
- (ब) अन्व + एषणम्
- (स) अन् + वेषणम्
- (द) अन्वेष + णम् ।

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिये: <https://www.upboardonline.com>

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है [1]

- (अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन
- (ब) प्रथमा विभक्ति, द्विवचन
- (स) पञ्चमी विभक्ति एकवचन
- (द) सप्तमी विभक्ति एकवचन ।

(ii) 'नाम्नाम्' शब्द में विभक्ति और वचन है। [1]

- (अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन
- (ब) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन
- (स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन
- (द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन ।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) सकल-शक्ल [1]

(अ) पदार्थ एवं सम्पूर्ण

(ब) सम्पूर्ण और खण्ड

(स) आकृति और प्रकृति

(द) सुख और शंकातु ।

(ii) अंश- अंशु- [1]

(अ) भाग और सूर्य

(ब) भाग और चन्द्र

(स) भाग्य और किरण

(द) भाग और किरण ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: [1+1=2]

(i) धरा

(ii) मित्र

(iii) जलज ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए:

(i) जिसका कहीं भी अन्त न होता हो- [1]

(अ) अगण्य

(ब) अन्तिम

(स) अनन्त

(ड) गण्य ।

(ii) जानने की इच्छा रखनेवाला- [1]

(अ) जानकार

(ब) जिज्ञासु

(स) ज्ञानी

(द) बुद्धिमान

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

(i) परीक्षा-पद्धति बदलना चाहिए ।

(ii) मैंने अनेकों बार यात्रा की है।

(iii) केवल यहाँ चार पुस्तकें रखी हैं

(iv) महादेवी वर्मा एक प्रसिद्ध कवियित्री हैं।

12. (क) 'शृंगार रस अथवा 'वीर' रस का लक्षण और उसका एक उदाहरण लिखिए ।

[1+1=2]

(ख) 'श्लेष' अलंकार अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

(ग) 'सोरठा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

13. समाचारपत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर लिपिक के पद पर अपनी नियुक्ति हेतु विद्यालय के प्रबन्धक को आवेदन-पत्र लिखिए । [6]

अथवा

ऋण-प्राप्ति हेतु बैंक के शाखा प्रबन्धक को आवेदन-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए: [2+7]

(i) राष्ट्रीय एकता -वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता

- (ii) आतङ्कवाद की समस्या- कारण और समाधान
- (iii) पर्यावरण- प्रदूषण और निराकरण के उपाय
- (iv) आधुनिक शिक्षा पद्धति की दिशा और दशा

<https://www.upboardonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

निर्देश :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।
(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड क

1. (क) 'विचार और वितर्क' के लेखक हैं : [1]

- (i) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(ii) जी. सुन्दर रेड्डी
(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(iv) राय कृष्ण दास

(ख) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है [1]

- (i) कल्पवृक्ष
(ii) ठेठ हिन्दी का ठाट
(iii) माटी हो गई सोना
(iv) तट की खोज

(ग) 'नीड़ का निर्माण फिर' रचना की विधा है: [1]

- (i) आत्मकथा
(ii) नाटक
(iii) संस्मरण
(iv) निबन्ध

(घ) हरिशंकर परसाई का निबन्ध-संग्रह है : [1]

(i) विचार-प्रवाह

(ii) पृथिवीपुत्र

(iii) तब की बात और थी

(iv) क्षण बोले कण मुस्काए

(ङ) हिन्दी की प्रथम पत्रिका 'उदन्त मार्तण्ड' के सम्पादक थे: [1]

(i) बालकृष्ण भट्ट

(ii) प्रतापनारायण मिश्र

(iii) किशोरी लाल गोस्वामी

(iv) युगल किशोर शुक्ल

2. (क) मैथिलीशरण गुप्त की रचना है : [1]

(i) रसकलश

(ii) सिद्धराज

(iii) कामायनी

(iv) लहर

(ख) 'प्रगतिवाद' के सशक्त कवि हैं: [1]

(i) रामनरेश त्रिपाठी

(ii) बालमुकुन्द गुप्त

(iii) 'नागार्जुन'

(iv) डॉ. नगेन्द्र

(ग) 'मास्को अभी दूर है।' के रचयिता हैं : [1]

(i) त्रिलोचन

(ii) रामस्वरूप शर्मा

(iii) हरिवंश राय 'बच्चन'

(iv) शिवमङ्गल सिंह 'सुमन'

(घ) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के सम्पादन में कुल कितने सप्तक प्रकाशित हुए ? [1]

(i) एक

(ii) दो

(iii) तीन

(iv) चार

(ङ) सुमित्रानन्दन पन्त को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था : [1]

(i) 'लोकायतन' पर

(ii) 'कला और बूढ़ा चाँद' पर

(iii) 'चिदम्बरा' पर

(iv) 'ग्राम्या' पर

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x2=10]

विज्ञान की प्रगति के कारण नयी चीज़ों का निरन्तर आविष्कार होता रहता है । जब कभी नया आविष्कार होता है, उसे एक नयी संज्ञा दी जाती है। जिस देश में उसकी सृष्टि की जाती है वह देश उस आविष्कार के नामकरण के लिए नया शब्द बनाता है ; वही शब्द प्रायः अन्य देशों में बिना परिवर्तन के वैसे ही प्रयुक्त किया जाता है । यदि हर देश उस चीज़ के लिए अपना-अपना अलग नाम देता रहेगा, तो उस चीज़ को समझने में ही दिक्कत होगी ; जैसे - रेडियो, टेलीविज़न, स्पूतनिक ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

- (ग) कौन-सा देश किसी आविष्कृत चीज़ के नामकरण को नया शब्द देता है ?
(घ) यदि हर देश आविष्कृत चीज़ों का अपना-अपना अलग नाम देता रहे तो क्या होगा ?
(ङ) नई चीज़ों के आविष्कार होने का क्या कारण है ?

अथवा

जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं, वह ऊर्जा का ही स्वरूप है। जैसा कि महर्षि अरविन्द ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं। इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ; दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह अहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है।

- (क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
(ग) महर्षि अरविन्द ने क्या कहा है ?
(घ) हम इस संसार में जो कुछ देखते हैं, वह क्या है ?
(ङ) 'अस्तित्व' और 'तादात्म्य' शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5x2=10]

शक्ति के विद्युत्कण जो व्यस्त

विकल बिखरे हैं, जो निरुपाय;

समन्वय उसका करे समस्त

विजयिनी मानवता हो जाय ।

- (क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
(ग) इन पंक्तियों में श्रद्धा ने मनु से कौन-सी बात बताई ?
(घ) समस्त सृष्टि की रचना किनसे हुई है ?
(ङ) श्रद्धा ने मनु को किस प्रकार मानवता का साम्राज्य स्थापित करने के लिए प्रेरित किया है ?

अथवा

मैं कब कहता हूँ जग मेरी दुर्धर गति के अनुकूल बने

मैं कब कहता हूँ जीवन-मरु नन्दन-कानन का फूल बने ?

काँटा कठोर है, तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है,

मैं कब कहता हूँ वह घटकर प्रान्तर का ओछा फूल बने ?

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) 'काँटा कठोर है, तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'जीवन-मरु' में कौन-सा अलंकार है ?

(ङ) कवि किसकी कामना करता है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए: [5]

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं पर प्रकाश डालिए : [5]

(i) सुमित्रानन्दन पंत

(ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(iii) मैथिलीशरण गुप्त

6. 'बहादुर' कहानी की कथावस्तु की विवेचना कीजिए। (अधिकतम शब्द-सीमा: 80 शब्द) [5]

अथवा

'पञ्चलाइट' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । [5]

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : [5]
(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'नमक आन्दोलन' कथावस्तु लिखिए ।

(ख) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ग) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(घ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग का सारांश लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के 'तृतीय सर्ग' की कथावस्तु लिखिए ।

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : [2+5=7]

अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्थाः, चत्वारो वेदाः, सर्वाः उपनिषदाः, अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्यनाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति । इयमेव भाषा सर्वासामार्यभाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्त्वविद्भिः । संस्कृतस्य गौरवं बहुविधज्ञानाश्रयत्वं व्यापकत्वं च न कस्यापि दृष्टेरविषयः ।

अथवा

हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकं आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश । सा शकुनिसङ्घे अवलोकयन्ति मणिवर्णग्रीवं चित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं मे स्वामिको भवतु' इत्यभाषत । मयूरः 'अद्यापि तावन्मे बलं न पश्यसि' इति अतिगर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनिसङ्घस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् ।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : [2+5=7]

प्रीणाति यः सुचरितैः पितरं स पुत्रो
यः भर्तुरेव हितमिच्छति तत् कलत्रम् ।
तन्मित्रमापदि सुखं च समक्रियं यद्
एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते ॥

अथवा

ऋषयो राक्षसीमाहुः वाचमुन्मत्तदृप्तयोः ।
सा योनिः सर्ववैराणां सा हि लोकस्य निऋतिः ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : [1+1=2]

- (क) आँखों में धूल झोंकना
- (ख) जहाँ चाह वहाँ राह
- (ग) तिल का ताड़ बनाना
- (घ) दूर के ढोल सुहावने

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन

(i) 'महेश्वरः' का सन्धि-विच्छेद है : [1]

(अ) महे + श्वरः

(ब) महा + एश्वरः

(स) महा + ईश्वरः

(द) मही + ईश्वरः

(ii) 'उपर्युक्तम्' का सन्धि-विच्छेद है : [1]

(अ) उपर + उक्तम्

(ब) उपरि + उक्तम्

(स) उप + र्युक्तम्

(द) उपर + र्युक्तम्

(iii) 'पावकः' का सन्धि-विच्छेद है : [1]

(अ) पा + वकः

(ब) पो + अकः

(स) पौ + अकः

(द) पाव + कः

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों का 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है : [1]

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, दिवचन

(अ) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(द) सप्तमी विभक्ति एकवचन

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन

(ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(स) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(द) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : [1]

(i) सुत -सूतः

(अ) पुत्र और पुत्री

(ब) सूत्र और धागा

(स) बालक और केश

(द) पुत्र और सारथी

(ii) जलद-जलधि

(अ) बादल और पानी

(ब) समुद्र और जल

(स) बादल और समुद्र

(द) वर्षा और सरिता

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: [1+1=2]

(i) भुजंग

(ii) हार

(iii) पर

(iv) अर्क

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए

(i) 'किए गए उपकार को न मानने वाला'

(अ) अकर्ता

(ब) कृतज्ञ

(स) कृतघ्न

(द) अकृतघ्न

(ii) 'बहुत कम बोल'

(अ) अल्पभाषी

(ब) मितभाषी

(स) वाचाल

(द) मिताग्रही

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:

(i) तुम तो कुर्सी पर बैठे हो !

(ii) इस सरोवर में अनेकों कमल खिले हैं।

(iii) कृपया अनुमोदन करने की कृपा करें ।

(iv) आप प्रातःकाल के समय आइएगा।

12. (क) 'करुण रस अथवा 'शान्त रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

(ख) 'अनुप्रास' अलङ्कार अथवा 'रूपक' अलङ्कार का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए ।

[1+1=2]

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

13. किसी दैनिक-पत्र के सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए जिसमें शहर में फैली संक्रामक बीमारी के प्रति नगर स्वास्थ्य अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया गया हो। [2+4=6]

अथवा

किसी बैंक के प्रबन्धक को कोई व्यवसाय करने हेतु प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए।

[6]

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए:

[2+7=9]

- (क) कृषक-जीवन की त्रासदी
- (ख) अनियंत्रित भ्रष्टाचार कारण और निवारण
- (ग) महिला आरक्षण की सार्थकता
- (घ) बढ़ती जनसंख्या तथा रोजगारी की समस्या

अनुक्रमांक

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

नाम

102

302 (ZL)

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड क

1. (क) प्रतापनारायण मिश्र द्वारा सम्पादित पत्र का नाम है: [1]

(i) 'हिन्दी प्रदीप'

(ii) 'ब्राह्मण'

(iii) 'सरस्वती'

(iv) 'मर्यादा'

(ख) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के लेखक हैं: [1]

(i) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी

(iii) रामचन्द्र शुक्ल

(iv) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ग) 'अशोक के फूल' किस विधा की रचना है ? [1]

(i) कहानी

- (ii) संस्मरण
- (iii) उपन्यास
- (iv) निबन्ध

(घ) 'भारत-दुर्दशा' नाटक के रचनाकार हैं: [1]

- (i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- (ii) बालकृष्ण भट्ट
- (iii) श्याम सुन्दर दास
- (iv) प्रतापनारायण मिश्र

(ङ) इनमें से गद्य की किस विधा में काल्पनिक प्रसंगों का स्थान नहीं है ? [1]

- (i) 'कहानी'
- (ii) 'उपन्यास'
- (iii) 'नाटक'
- (iv) 'आत्मकथा'

2. (क) हिन्दी-साहित्य के आधुनिक काल की रचना है: [1]

- (i) 'पद्मावत'
- (ii) 'सूरसागर'
- (iii) 'रामचन्द्रिका'
- (iv) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है'

(ख) 'हरिऔध' का पूरा नाम है: [1]

- (i) जगन्नाथदास
- (ii) अयोध्याप्रसाद
- (iii) नाथूराम शर्मा

(iv) अयोध्यासिंह उपाध्याय

(ग) छायावाद की मुख्य विशेषता है: [1]

(i) प्रकृति-चित्रण

(ii) युद्ध-वर्णन

(iii) यथार्थ चित्रण

(iv) भक्ति -प्रधानता

(घ) 'प्रकृति का सुकुमार कवि' कहा गया है: [1]

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर' को

(ii) जयशंकर प्रसाद को

(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' को

(iv) सुमित्रानन्दन पन्त को

(ङ) 'तारसप्तक' के सम्पादक हैं: [1]

(i) गजानन माधव मुक्तिबोध

(ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iii) गिरिजाकुमार माथुर

(iv) धर्मवीर भारती

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

यदि यह नवीनीकरण सिर्फ कुछ पंडितों की व आचार्यों की दिमागी कसरत ही बनी रहे तो भाषा गतिशील नहीं होती । भाषा का सीधा संबंध प्रयोग से है और जनता से है ।

यदि नए शब्द अपने उद्गम स्थान में ही अड़े रहें और कहीं भी उनका प्रयोग किया नहीं जाए तो उसके पीछे के उद्देश्य पर ही कुठाराघात होगा ।

- (क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
(ग) 'कुठाराघात' का आशय स्पष्ट कीजिए ।
(घ) भाषा का सीधा सम्बन्ध किससे है ?
(ङ) लेखक के अनुसार नए शब्दों के प्रयोग न किए जाने पर क्या परिणाम होगा ?

अथवा

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथिवी हो और मनुष्य न की कल्पना असंभव है। पृथिवी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथिवी का पुत्र है। <https://www.upboardonline.com>

- (क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
(ग) लेखक के अनुसार राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है ?
(घ) पृथिवी और जन मिलकर किसकी रचना करते हैं ?
(ङ) पृथिवी किसके कारण मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है ?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [5x2=10]

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये ।
होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को ।
जो थोड़ी-सी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना ।
होठों की औ कमल-मुख की म्लानताएँ मिटाना ॥
कोई क्लान्ता कृषक-ललना खेत में जो दिखावे ।
धीरे-धीरे परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना ॥
जाता कोई जलद यदि हो व्योम में तो उसेला ।
छाया द्वारा सुखित करना, तप्त भूतांगना को ॥

(क) उपर्युक्त कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) उपर्युक्त पद्यांश किस महाकाव्य का अंश है ?

(घ) 'कृषक-ललना' और 'भूतांगना' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(ङ) नायिका पवन से लज्जाशीला महिला के प्रति कैसा आचरण अपनाने के लिए कहती है?

अथवा

समर्पण लो सेवा का सार सजल संसृति का यह पतवार ;

आज से यह जीवन उत्सर्ग इसी पद तल में विगत विकार ।

बनो संसृति के मूल रहस्य तुम्हीं से फैलेगी वह बेल ;

विश्वभर सौरभ से भर जाय सुमन के खेलो सुन्दर खेल ।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) यह पद्यांश किस महाकाव्य का अंश है ?

(घ) 'समर्पण लो सेवा का सार सजल संसृति' में कौन-सा अलंकार है ?

(ङ) 'संसृति' तथा 'उत्सर्ग' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

(i) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

- (i) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- (ii) मैथिलीशरण गुप्त
- (iii) सुमित्रानन्दन पन्त

6. 'ध्रुव यात्रा' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

अथवा

'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'द्वितीय सर्ग' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'तृतीय सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ड) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के 'षष्ठ सर्ग' (नमक सत्याग्रह) की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के किसी मार्मिक प्रसंग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

खण्ड ख

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायञ्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति । साधारणस्थितिकोऽपि जनः महतोत्साहेन मनस्वितया पौरुषेण च असाधारणमपि कार्यं कर्तुं क्षमः इत्यदर्शयत् मनीषिर्मूर्धन्यः मालवीयः ।

अथवा

हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकम् आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश । सा शकुनिसङ्घे अवलोकयन्ति मणिवर्णग्रीवं चित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं मे स्वामिको भवतु' इत्यभाषत् । मयूरः 'अद्यापि तावन्मे बलं न पश्यसि' इति अतिगर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनिसङ्घस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् ।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

व्यतिषजति पदार्थानान्तरः कोऽपि हेतुः

न खलु बहिरुपाधीन् प्रीतयः संश्रयन्ते ।

विकसति हि पतङ्गस्योदये पुण्डरीकं

द्रवति च हिमरश्मावुद्गतेः चन्द्रकान्तः ॥

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि ।

लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हसि ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1+1=2]

(क) भीगी बिल्ली बनना

(ख) हाथ पीले करना

(ग) दूध का दूध और पानी का पानी करना

(घ) आँख का अंधा नाम नयनसुख

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'रमेश' का सही सन्धि-विच्छेद है: [1]

(अ) राम + ईश:

(ब) रमा + इश:

(स) रमा + ईश:

(द) रम + ईश:

(ii) 'इत्युक्तम्' का सही सन्धि-विच्छेद है: [1]

(अ) इति + उक्तम्

(ब) इत्य + उक्तम्

(स) इत्य + युक्तम्

(द) इत् + उक्तम्

(iii) 'उभावपि' का सही सन्धि-विच्छेद है: [1]

(अ) उभौ + अपि

(ब) उभा + वपि

(स) उभ + औपि

(द) उभ् + औपि

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है: [1]

(अ) तृतीया विभक्ति, द्विवचन

(ब) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(द) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(ii) 'नाम्नि' शब्द में विभक्ति और वचन है: [1]

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, एकवचन

(द) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) द्रव - द्रव्य: [1]

(अ) तरल पदार्थ और धन

(ब) धन और धान्य

(स) दान और देने योग्य

(द) दवा और दया

(ii) हरि-हर: [1]

(अ) विष्णु और शंकर

(ब) शिव और पार्वती

(स) भगवान और भक्त

(द) महादेव और हरण किया गया

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: [1+1=2]

(i) तात

(ii) तीर

(iii) कुल

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए:

(i) जिसके भीतर की हवा का तापमान सम स्थिति में रखा गया हो: [1]

(अ) परितापी

(ब) अन्तः तापी

(स) समतापी

(द) प्रतापी

(ii) पीने की इच्छा रखने वाला: [1]

(अ) प्यासा

(ब) तृषित

(स) पिपासा

(द) पिपासु

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

(i) आपकी पुत्री पद्मा बहुत बुद्धिमान् है ।

(ii) कृपया करके मेरे घर पधारिए ।

(iii) तुम्हें मन लगाकर पढ़ाई करना चाहिए ।

(iv) कानपुर एक औद्योगिक नगर है ।

12. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'करुण' रस का स्थायीभाव बताते हुए उसका एक उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

(ख) 'अनुप्रास' अलङ्कार अथवा 'उपमा' अलङ्कार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

[1+1=2]

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

13. किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए जिसमें अपने गाँव में फैल रही कोविड-19 संक्रामक बीमारी के प्रति मुख्य चिकित्सा अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया गया हो । <https://www.upboardonline.com> [2+4=6]

अथवा

अपने विद्यालय में कम्प्यूटर खराब होने की समस्या के निराकरण हेतु प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

[2+7=9]

(क) राष्ट्रमण्डल खेल - 2022 में भारत की उपलब्धियाँ

(ख) 'इंटरनेट' की शैक्षिक उपयोगिता

(ग) मेरा प्रिय साहित्यकार

(घ) जलवायु परिवर्तन के कारण और परिणाम

(ड) भारत में कृषि क्रान्ति

अनुक्रमांक

नाम

102

302(ZM)

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड क

1. (क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा सम्पादित पत्रिका है : [1]

(i) हिन्दी प्रदीप

(ii) कवि वचन सुधा

(iii) आनन्द कादम्बिनी

(iv) ब्राह्मण

(ख) 'श्रद्धा-भक्ति' निबन्ध के लेखक हैं : [1]

(i) श्यामसुन्दर दाम

(ii) गुलाबराय

(iii) रामचन्द्र शुक्ल

(iv) विद्यानिवास मिश्र

(ग) 'रंगभूमि' उपन्यास के लेखक हैं: [1]

(i) वृन्दावनलाल वर्मा

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) प्रेमचन्द

(iv) चतुरसेन शास्त्री

(घ) 'कर्मनाशा की हार' कहानी के लेखक हैं: [1]

(i) शिवप्रसाद सिंह

(ii) जैनेन्द्र कुमार

(iii) यशपाल

(iv) काशीनाथ सिंह

(ङ) 'राष्ट्र का स्वरूप' निबन्ध वासुदेवशरण अग्रवाल के किस निबन्ध-संग्रह से लिया गया है ? [1]

(i) पृथिवीपुत्र

(ii) कल्पवृक्ष

(iii) भारत की एकता

(iv) कला और संस्कृति

2. (क) गिरिजाकुमार माथुर किस काल के कवि हैं? [1]

(i) आदिकाल

(ii) भक्तिकाल

(iii) रीतिकाल

(iv) आधुनिककाल

(ख) 'प्रगतिवादी काव्यधारा' के प्रमुख कवि हैं: [1]

- (i) केदारनाथ अग्रवाल
- (ii) सूरदास
- (iii) तुलसीदास
- (iv) चन्दबरदायी

(ग) 'लहर' काव्यकृति के रचनाकार हैं: [1]

- (i) महादेवी वर्मा
- (ii) जयशंकर प्रसाद
- (iii) धर्मवीर भारती
- (iv) 'अज्ञेय'

(घ) 'उर्मिला का विरह वर्णन' साकेत के किस सर्ग में है ? [1]

- (i) प्रथम सर्ग
- (ii) द्वितीय सर्ग
- (iii) नवम सर्ग
- (iv) चतुर्थ सर्ग

(ङ) 'परिवर्तन' किस कवि की रचना है ? [1]

- (i) सुमित्रानन्दन पन्त
- (ii) 'निराला'
- (iii) 'रत्नाकर'
- (iv) 'धूमिल'

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [5×2=10]

यह प्रणाम-भाव ही भूमि और जन का दृढ़-बन्धन है। इसी दृढ़भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है। इसी दृढ़ चट्टान पर राष्ट्र का चिर जीवन आश्रित रहता है। इसी मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्यों के कर्तव्य और अधिकारों का उदय होता है। जो जन पृथिवी के साथ माता और पुत्र के संबंध को स्वीकार करता है, उसे ही पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है। माता के प्रति अनुराग और सेवाभाव पुत्र का स्वाभाविक कर्तव्य है। वह एक निष्कारण धर्म है। स्वार्थ के लिए पुत्र का माता के प्रति प्रेम, पुत्र के अधः पतन को सूचित करता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और उसके लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) स्वार्थ के लिए पुत्र का माता के प्रति प्रेम क्या सूचित करता है ?

(घ) भूमि और जन का दृढ़-बन्धन क्या है ?

(ङ) 'दृढ़भित्ति' और 'निष्कारण' शब्दों का अर्थ लिखिए।

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामन्त सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक है जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पत्नी थी, उसके रक्त के संस्कारकों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उखड़ गए, समाज ढह गए और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई।

(क) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) अशोक का वृक्ष किसका प्रतीक है ?

(ग) लाखों करोड़ों की उपेक्षा से कौन समृद्ध हुई थी ?

(घ) कौन उखड़ और ढह गया है ?

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [5×2=10]

इस धारा-सा ही जग का क्रम, शाश्वत् इस जीवन का उद्गम

शाश्वत् है गति, शाश्वत् संगम !

शाश्वत् नम का नीला का विकास, शाश्वत् राशि का यह रजत हास,

शाश्वत् लघु लहरों का विकास !

हे जगजीवन के कर्णधार ! चिरजन्म मरण के आर-पार

शाश्वत् जीवन नौका विहार !

मैं भूल गया अस्तित्व ज्ञान, जीवन का यह शाश्वत् प्रमाण

करता मुझको अमरत्वदान !

(क) उपर्युक्त पद्यांश के कवि एवं शीर्षक का नाम लिखिए ।

(ख) जग का क्रम कैसा है ?

(ग) नभ का नीला विकास कैसा है ?

(घ) 'उद्गम' तथा 'कर्णधार' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

कह न ठंडी साँस में अब भूल वह जलती कहानी,

आग हो उर में तभी दुग में सजेगा आज पानी;

हार भी तेरी बनेगी मानिनी जय की पताका,

राख क्षणिक पतंग की है अमर दीपक की निशानी !

है तुझे अंगार-शय्या पर मृदुल कलियाँ बिछाना !

जाग तुझको दूर जाना !

(क) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) 'क्षणिक' शब्द से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए।

(घ) 'है तुझे अंगार-शय्या पर मृदुल कलियाँ बिछाना'-इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

(ङ) 'दृग' और 'पताका' शब्दों के एक-एक पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए - (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

(i) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) 'अज्ञेय'

6. 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'पंचलाइट' की कथावस्तु का सार लिखिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

अथवा

'बहादुर' कहानी का उद्देश्य लिखिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु का सार लिखिए।।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ङ) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के कथानक का सार लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्धन' के चरित्र का मूल्यांकन कीजिए ।

खण्ड ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन् । परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्रणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि , विश्व बन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति । राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमंत्रित्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत् । यतो हि उभावपि देशी बौद्धधर्मे निष्ठावन्तौ । आधुनिके जगति पञ्चशीलसिद्धान्ताः नवीनं राजनैतिकं स्वरूपं गृहीतवन्तः ।

अथवा

याज्ञवल्क्य उवाच - न वा अरे मैत्रेय ! पत्यु । कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे जायाः कामाय जाया प्रिया भवति । आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति । न वा अरे पुत्रस्य वितस्य च कामाय पुत्रो वितं व प्रियं भवति ।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए [2+5=7]

काव्यशास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।

व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ॥

अथवा

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।

वर्जयेतादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ॥

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों और मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : <https://www.upboardonline.com> [1+1=2]

(क) हाथ पीले करना

(ख) नौ दो ग्यारह होना

(ग) हाथ कंगन को आरसी क्या

(घ) अपना उल्लू सीधा करना

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'रवीन्द्रः' का सन्धि-विच्छेद है: [1]

(अ) रवि + इन्द्रः

(ब) रवी + इन्द्रः

(स) र + वीन्द्रः

(द) रवीन् + न्द्रः

(ii) 'रमेशः' का सन्धि-विच्छेद है : [1]

(अ) रमा + ईशः

(ब) रम् + ऐशः

(स) र + उमेशः

(द) राम + ईशः

(iii) 'अत्याचार' का सन्धि-विच्छेद है : [1]

(अ) अति + आचारः

(ब) अती + आचारः

(स) अत्या + चारः

(द) अतीव + चारः

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों का 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए: [1]

(i) 'आत्मानि' शब्द में विभक्ति और वचन है :

(अ) सप्तमी विभक्ति एकवचन

(ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(स) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(द) तृतीया विभक्ति एकवचन

(ii) 'नामसु' शब्द में विभक्ति और वचन है : [1]

(अ) सप्तमी विभक्ति एकवचन

(ब) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

(स) प्रथमा विभक्ति, एकवचन

(द) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

11. निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) अविराम-अभिराम : [1]

(अ) बिना रोक के और सुन्दर

(ब) लगातार और कुरूप

(स) अनवरत और अनाकर्षक

(द) सुन्दर और आकर्षक

(ii) अन्न-अन्य: [1]

(अ) अनाज और दूसरा

(ब) भोजन और अनेक

(स) बेकार और दूसरा

(द) अनाज और भोजन

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए: [1+1=2]

(i) काल

(ii) जड़

(ii) चपला

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए: [1]

(i) जो वन्दना करने योग्य हो

(अ) वन्दनीय

(ब) पूजनीय

(स) सम्माननीय

(द) आदरणीय

(ii) जो जीता न जा सके [1]

(अ) अजेय

(ब) अमर

(स) अजर

(द) अनन्त

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

(i) मैं सकुशलपूर्वक हूँ ।

(ii) मैं पानी पी लिया हूँ ।

(iii) वह लड़के कहाँ जा रहे हैं।

(iv) कृपया अवकाश देने की कृपा करें

12. (क) 'वीर' रस अथवा 'शान्त' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

(ख) 'श्लेष' अलङ्कार अथवा 'रूपक' अलङ्कार की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए। <https://www.upboardonline.com> [1+1=2]

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'दोहा' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

13. विद्यालय में नियुक्ति हेतु प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए । [2+4=6]

अथवा

अपने गाँव अथवा शहर की बिजली समस्या हेतु उचित अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

[6]

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में सारगर्भित निबन्ध लिखिए: [2+7=9]

(क) साहित्य और समाज का अन्तः सम्बन्ध

(ख) महँगाई की समस्या का कारण और निवारण

(ग) कृषक-जीवन की त्रासदी

(घ) जलवायु-परिवर्तन का मौसम पर प्रभाव

(ङ) भारतीय लोकतन्त्र का भविष्य

अनुक्रमांक ...

नाम

102

302(ZN)

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।
ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड - 'क'

1. (क) 'अष्टयाम' कृति के लेखक हैं: [1]

- (i) गोकुलनाथ
- (ii) विठ्ठलनाथ
- (iii) नाभादास
- (iv) प्रियादास

(ख) धर्मवीर भारती द्वारा लिखित उपन्यास है : [1]

- (i) 'परन्तु'
- (ii) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'
- (iii) 'मुक्तिबोध'
- (iv) 'नदी के द्वीप'

(ग) जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित नाटक नहीं है: [1]

- (i) 'करुणालय'
- (ii) 'कल्याणी परिणय'
- (iii) 'सज्जन'
- (iv) 'भारत सौभाग्य'

(घ) इनमें से 'आत्मकथा' विधा की रचना है: [1]

- (i) 'अर्द्धकथा'
- (ii) 'परती परिकथा'
- (iii) 'आवारा मसीहा'
- (iv) अजय की डायरी'

(ङ) यात्रावृत्त-सम्बन्धी गद्यकृति 'अरे यायावर! रहेगा याद' के लेखक है : [1]

- (i) केदारनाथ अग्रवाल
- (ii) मोहन राकेश
- (iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- (iv) हरिशंकर परसाई

2. (क) इनमें से किस काव्यकृति पर 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार मिला है? [1]

- (i) 'लोकायतन'
- (ii) 'अग्निरेखा'
- (iii) 'कितनी नावों में कितनी बार'
- (iv) 'रसवन्ती'

(ख) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है: [1]

- (i) सन् 1957
- (ii) सन् 1959
- (iii) सन् 1960
- (iv) सन् 1961

(ग) 'कला और बूढ़ा चाँद' कृति के रचयिता है: [1]

- (i) सुमित्रानंदन पन्त
- (ii) शिवमंगल सिंह 'सुमन'
- (iii) सुदामाप्रसाद पाण्डेय 'धूमिल'
- (iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(घ) किस महाकाव्यात्मक कृति में बारह सर्ग हैं ? [1]

- (i) 'कामायनी'
- (ii) 'प्रियप्रवास'
- (iii) 'साकेत'
- (iv) 'वैदेही वनवास'

(ङ) 'छायावाद' की प्रमुख विशेषता है: [1]

- (i) इतिवृत्तात्मकता
- (ii) शृंगार रस की प्रधानता
- (iii) युद्धों का सजीव वर्णन
- (iv) स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

अशोक वृक्ष की पूजा इन्हीं गन्धर्वों और यक्षों की देन है। प्राचीन साहित्य में इस वृक्ष की पूजा के उत्सवों का बड़ा सरस वर्णन मिलता है। असल पूजा अशोक की नहीं, बल्कि उसके अधिष्ठाता कंदर्प-देवता की होती थी। इसे 'मदनोत्सव' कहते थे। महाराज भोज के 'सरस्वती कंठाभरण' से जान पड़ता है कि यह उत्सव त्रयोदशी के दिन होता था। 'मालविकाग्निमित्र' और 'रत्नावली' में इस उत्सव का बड़ा सरस मनोरम वर्णन मिलता है। मैं जब अशोक के लाल स्तवकों को देखता हूँ तो मुझे वह पुराना वातावरण प्रत्यक्ष दिखायी दे जाता है। राजघरानों में साधारणतः रानी ही अपने सनूपुर चरणों के आघात से इस रहस्यमय वृक्ष को पुष्पित किया करती थीं।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- (ii) अशोक वृक्ष की पूजा किसकी देन है?
- (iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iv) अशोक वृक्ष को कौन पुष्पित किया करती थीं ?
- (v) 'अधिष्ठाता' और 'स्तवक' शब्दों का अर्थ लिखिए।

अथवा

नये शब्द, नये मुहावरे एवं नयी रीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा को व्यावहारिकता प्रदान करना ही भाषा में आधुनिकता लाना है। दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नये शब्दों के गढ़ने मात्र से ही भाषा का विकास नहीं होता ; वरन् नये पारिभाषिक शब्दों की एवं नूतन शैली-प्रणालियों को व्यवहार में लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करना है; क्योंकि व्यावहारिकता ही भाषा का प्राणतत्त्व है। नये शब्द और नये प्रयोगों का पाठ्यपुस्तकों से लेकर साहित्यिक पुस्तकों तक एवं शिक्षित व्यक्तियों से लेकर अशिक्षित व्यक्तियों तक के सभी कार्यकलापों में प्रयुक्त होना आवश्यक है। इस तरह हम अपनी भाषा को अपने जीवन की सभी आवश्यकताओं के लिए जब प्रयुक्त कर सकेंगे तब भाषा में अपने आप आधुनिकता आ जायेगी।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- (ii) भाषा में आधुनिकता कैसे आती है?
- (iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) भाषा का प्राणतत्त्व क्या है?

(v) 'नूतन' तथा 'कार्यकलाप' शब्दों का अर्थ लिखिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

'कौन हो तुम वसन्त के दूत

बिरस पतझड़ में अति सुकुमार;

घन तिमिर में चपला की रेख

तपन में शीतल मन्द बयार!'

लगा कहने आगन्तुक व्यक्ति

मिटाता उत्कंठा सविशेष;

दे रहा हो कोकिल सानन्द

सुमन को ज्यों मधुमय सन्देश - ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) इस पद्यांश में किस-किस के बीच संवाद हो रहा है?

(iv) 'चपला' तथा 'उत्कंठा' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(v) 'आगन्तुक व्यक्ति' से किसकी ओर संकेत किया गया है।

अथवा

छायाएँ मानव-जन की

दिशाहीन

सब ओर पड़ी - वह सूरज

नहीं उगा था पूरब में,

बरसा सहसा

बीचों-बीच नगर के;

काल- सूर्य के रथ के

पहियों के ज्यों अरे टूटकर
बिखर गये हों दसों दिशा में !
कुछ क्षण का वह उदय अस्त !
केवल एक प्रज्वलित क्षण की
दृश्य सोख लेनेवाली दोपहरी ।

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) 'काल- सूर्य के रथ के इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है ?
- (iv) दस दिशाएँ कौन-कौन सी हैं?
- (v) वह 'सूरज' किस दिशा में उदित हुआ था?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा: 80 शब्द) [3+2=5]

- (i) डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
- (ii) वासुदेवशरण अग्रवाल
- (iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी काव्यकृतियों का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द सीमा: 80 शब्द) [3+2=5]

- (i) सुमित्रानंदन पन्त
- (ii) महादेवी वर्मा
- (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए। [5]

अथवा

'बहादुर' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए (अधिकतम शब्द-सीमा: 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (शब्द-सीमा अधिकतम: 80 शब्द) [5]

(i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथा पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(iii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

(iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्द्धन' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

खण्ड 'ख'

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

याज्ञवल्क्य उवाच - न वा अरे मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाया पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति । न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति । <https://www.upboardonline.com>

अथवा

अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काकः उत्थाय 'तिष्ठ तावत्, अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेककाले एवं रूपं मुखं, क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र तत्रैव धक्ष्यामः । ईदृशो राजा मह्यं न रोचते' इत्याह ।

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

[2+5=7]

काव्यशास्त्र - विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।

व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ॥

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि

लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति ॥

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों/मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1+1=2]

- (i) ईद का चाँद होना
- (ii) कागजी घोड़े दौड़ाना
- (iii) ऊँट के मुँह में जीरा
- (iv) का बरखा जब कृषी सुखाने

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'कवीन्दुम्' का सन्धि-विच्छेद है: [1]

- (A) कवी + इन्दुम्
- (B) कवीन् + दुम्
- (C) कवि + इन्दुम्
- (D) क + विन्दुम्

(ii) 'मन्वन्तरे' में सन्धि-विच्छेद है: [1]

- (A) मनु + अन्तरे
- (B) मन्व + अन्तरे
- (C) मन् + अन्तरे
- (D) मा + अनन्तरे

(iii) 'पवित्रम्' का सन्धि-विच्छेद है: [1]

- (A) पव + इत्रम्
- (C) पवि + त्रम्
- (B) पवि + इत्रम्
- (D) पो + इत्रम्

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'आत्मनो:' शब्द में विभक्ति और वचन है: [1]

- (A) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन
- (B) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
- (C) सप्तमी विभक्ति, एकवचन
- (D) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन

(ii) 'नामभ्याम्' शब्द में विभक्ति और वचन है: [1]

- (A) तृतीया विभक्ति, द्विवचन
- (B) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन
- (C) पंचमी विभक्ति, बहुवचन
- (D) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) अशक्त - आसक्त [1]

- (A) असमर्थ - शक्तिमान्
- (B) शक्तिसम्पन्न - आकर्षक
- (C) शक्तिहीन - मोहित
- (D) समर्थ - कुसंगति

(ii) भवन - भुवन [1]

- (A) निकेतन - जंगल
- (B) घर-संसार
- (C) घना जंगल - लोक
- (D) सृष्टि - आयतन

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: [1+1=2]

- (i) चपला
- (ii) पयोधर
- (iii) विधि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'सही' शब्द का चयन करके लिखिए:

(i) बहुत कम बोलनेवाला - <https://www.upboardonline.com> [1]

- (A) वाचाल
- (B) अमितभाषी
- (C) मितभाषी
- (D) बहुभाषी

(ii) जानने की इच्छा रखनेवाला - [1]

- (A) जिज्ञासा
- (B) जिज्ञासु
- (C) चिकीर्षु
- (D) इच्छुक

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

- (i) वह अपनी ताकत के बल पर खड़ा है।
- (ii) इसमें समस्त प्राणिमात्र का कल्याण है।
- (iii) आपके साथ उचित न्याय किया जायेगा ।
- (iv) जीवन और साहित्य का घोर सम्बन्ध है

12. (क) 'वीर' रस अथवा 'करुण' रस की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। [1+1=2]

(ख) 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण लिखकर एक उदाहरण दीजिए । [1+1=2]

(ग) 'दोहा' अथवा 'कुण्डलियाँ' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

13. अपने नगर की सफाई के लिए अध्यक्ष, नगर पंचायत को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए ।
[2+4=8]

अथवा

पुस्तक-व्यवसाय के लिए ऋण प्राप्त करने हेतु अपने निकटस्थ किसी बैंक के शाखा-प्रबन्धक को आवेदन- पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:

[2+7=9]

(i) भारतीय जीवन में व्याप्त कुरीतियाँ

(ii) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

(iii) प्राकृतिक आपदाएँ: कारण और निवारण

(iv) विज्ञान वरदान है या अभिशाप

(v) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता